

Fibroids : Non-cancerous Uterine Tumours

फायब्रॉइडस : गर्भाशय की गाठें

## Do you suffer from the following symptoms ?

Heavy bleeding

Pelvic pain

□ Anemia

□ Frequent urination

□ Difficult or painful bowel movements

□ Swollen or distended abdomen

□ Difficulty getting or staying pregnant

There are chances that you may be suffering from Fibroids.

Uterine fibroids are the most common tumor of the female genital tract. They are not cancerous (benign) growths that develop in the smooth muscle layers within the uterus. 40% of all women over 35 have fibroids.

#### क्या आप निम्नलिखित लक्षणों से परेशान है ?

🗆 भारी रक्तस्त्राव

पेट के निचले भाग में दर्द

रक्तक्षय

पुनः पुनः मुत्रोत्सर्ग / पेशाब लगना

🗆 मुश्किल या दर्दभरा शौच

🗆 फूला या लटका हुआ पेट

गर्भधारणा करने या टिकाने में समस्या

यह संभव है कि आपको फायब्रॉइड की शिकायत है।

गर्भाशय में फायब्रॉइड जनन नलिका का सर्वाधिक पायी जानेवाली गांठ है। ये वृद्धी कॅन्सर की नहीं (निरूपद्रवी) है, जो गर्भाशय में चिकनी पेशीस्तर में विकसित होती है। ३५ वर्ष से आगे की ४०% महिलाओं में फायब्रॉइड की शिकायत होती है।

#### ■ What are the Causes?

- The Factors that cause the fibroids to grow in the uterus are not known. They grow under the influence of female hormones.
- □ All most all fibroids occur in women of reproductive age.

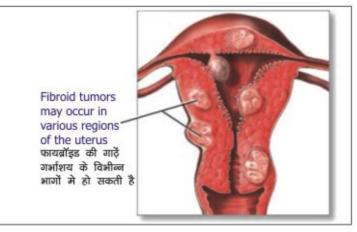
## इसके कारण क्या है ?

- □ गर्भाशय में फायब्रॉइड होने के कारण ज्ञात नहीं हैं। वे स्त्री हार्मोन के प्रभाव में बढते हैं।
- लगभग सभी फायब्रॉइड जननक्षम आयु की स्त्रियों में पाये जाते हैं।

# ■ How Fibroids are diagnosed?

Usually, diagnosis of fibroids occurs during a gynaecological examination where the Gynaecologist feels the fibroids during a physical exam.

This is often confirmed with ultrasound, or in some cases



MRI/CT Scan may also be done.

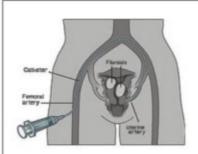
#### फायब्रॉइड का निदान कैसे होता है ?

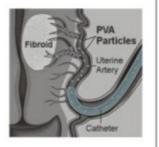
साधारणतः स्त्रीरोगविशेषज्ञ जांच के दरम्यान फायब्रॉइड का पता चलता है, जहां स्त्रीरोग विशेषज्ञ शारीरिक जांच के समय इसे महसूस करते हैं।

अधिकतर इसकी पृष्टि अल्ट्रासांउड से या कुछ केसेस में (MRI) एमआरआय/(CT) सीटीस्कॅन से होती है।

# ■ Does having uterine fibroids mean that a woman would be infertile or unable to have children?

In some cases, fibroids can prevent a woman from getting pregnant through natural methods.





# क्या गर्भाशय के फायब्रॉइड होने से स्त्री वंध्या हो जायेगी या उसे बच्चे नहीं हो सकेंगें ?

कुछ महिलाओं में फायब्रॉइड के कारण सामान्य गर्भधारणा में बाधा आ सकती है ।

# ■ What are the Treatment Options?

## Medical Management

Usually, medical management is the first therapy for uterine fibroids. Medical therapy includes treatment with non-steroidal anti-inflammatory agents. Birth control pills or progesterone agents may also be utilized.

Another medication that may be used in certain circumstances is Gonadotropin releasing hormone agonists

(GnRH). Commonly, these drugs cause symptoms similar to those in patients experiencing menopause. These include hot flashes, as well as mood changes. They can also cause some more serious side effects, such as osteoporosis, or a decrease in a density of the bones. Thus, their use is usually limited to approximately 6 months. Unfortunately, fibroids usually regrow after this period of time.

## चिकित्सा के कौनसे पर्याय हैं ?

मेडिकल प्रबंधन (मॅनेजमेंट)

गर्भाशय फायब्रॉइड के लिये मेडिकल प्रबंधन पहली पद्धति है। इस चिकित्सा में नॉन स्टिरॉयडल एन्टी इफलेमेट्री एजंट्स शामिल हैं। परिवार नियोजन की गोलियां या प्रोजेस्टेरॉन एजंट भी प्रयोग में लाये जाते हैं।

कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में दी जाने वाली दवाईयाँ हैं, गोनेडोट्रॉपिन रिलीजींग हार्मोन एजंट (GnRH) इनसे रजोनिवृत्ति के समान ही लक्षण मालूम होते हैं। लक्षणों में शामिल हैं, हॉट फ्लॅशेस और मूड में बदलाव। इनसे कुछ गंभीर साइड इफेक्ट्स भी हो सकते है जैसे ऑस्टियोपोरेंसिस या हडियों के घनत्व में कमी। इसलिये इसका प्रयोग अधिकतर ६ महिनों तक सीमित रखा जाता है। दुर्भाग्यवश कई बार फायब्रॉइड इस के बाद फिर से बढ़ते हैं।

## Surgical Therapy

Myomectomy removes only the fibroids and leaves the healthy areas of the uterus in place. This procedure can preserve a woman's ability to have children. However, in some cases, the gynaecologist may not feel that a myomectomy is appropriate due to the possibility that it will cause pelvic scarring.

Unfortunately, approximately 30% of the fibroids do regrow and cause a recurrence. In these cases the gynaecologist may recommend alternative therapies such as fibroid embolization.

Hysterectomy is used when a woman's fibroids are large, or has heavy bleeding, and she is either near or past menopause, or completed her family. In general, recovery time from a hysterectomy is one to two months.

मायोमेक्टोमी से सिर्फ फायब्रॉइड निकाला जाता है एवं गर्भाशय के स्वस्थ भाग वैसे ही बने रहतें है। इस पद्धति में स्त्री की जननक्षमता पर आंच नहीं आती । मगर कुछ केसेस में, पेट के निचले भांग में व्रण की संभावना हो, तो स्त्रीरोग विशेषज्ञ मायोमेक्टोमी उचित नहीं समझते।

बदिकस्मिति से लगभग ३०% फायब्रॉइड पुनः बनते हैं और आते रहते हैं । ऐसी परिस्थिति में स्त्रीरोग विशेषज्ञ फायब्रॉइड एम्बोलायझेशन जैसी पर्यायी चिकित्सा की सलाह दे सकते है ।

गर्भाशय निकालने की शस्त्रक्रिया (Hysterectomy) की जाती है अगर फायब्रॉइड बडे हो या भारी रक्तस्त्राव हो, और यदि स्त्री रजोनिवृत्ति हो चुकी हो या उसके करीब पहुंच चुकी हो या अपना परिवार पूरा बना चुकी हो। इस शस्त्रक्रिया के बाद ठीक होने में १–२ महिने लगते है।

# Uterine Artery Embolization

Uterine Artery Embolization is a procedure performed by an Interventional Radiologist. An Interventional Radiologist is a physician who specializes in using imaging guidance to perform minimally invasive procedures to treat different diseases. Small puncture made here. Catheter fed into femoral artery. X-ray imaging locates blood vessels. Tiny particles are injected. Colour nourishing tumor are blocked. Fibroid begins to shrink.

Thus, the only thing the patient should feel during the examination is the initial numbing and the remainder of the procedure should be painless. After embolization medications will be required for control of post embolization pain.

युटेराइन आर्टरी एम्बोलायझेशन

युटेराइन आर्टरी एम्बोलायझेशन, यह प्रक्रिया इंटरवेन्शनल रेडियोलॉजिस्ट व्दारा की जाती है। इंटरवेन्शनल रेडियोलॉजिस्ट वह डॉक्टर है, जो तस्वीरों के मार्गदर्शन के हिसाब से विभिन्न बीमारियों का इलाज न्यूनतम तकलीफ की विधि से करता है। इसमें एक छोटा छेद करते है। फीमोरल आर्टरी (धमनी) में कॅथेटर डाला जाता है। एक्सरे तस्वीरों से रक्तवाहिनी का पता लगाते हैं। सूक्ष्मकण भीतर डाले जाते हैं। रंगधारक गांठ (Tumor) को बंद करते है और फायब्रॉइड सिकुडने लगते है।

इस पूरी जांच में रोगी को बस शुरूआती चेतना शून्यता महसूस होती है। बाकी प्रक्रीया वेदनारहित है। एम्बोलायझेशन के बाद उठने वाले दर्द के लिये दर्दीनवारक औषधियों की जरूरत होती है।

#### ■ What are the Success Rates?

- 99% of patients experience immediate relief from heavy bleeding
- 94% of patients experienced 50-60% shrinkage
- 33% of patients who attempted to conceive are successful
- 99% of patients returned to work within less than a week
- The size of the fibroids usually decrease approximately 40-70% in 6 months and greater at a year.

One major advantage of uterine embolization is that it is a global treatment in that it treats every fibroid in the uterus. This procedure also enjoys a very low serious complication rate of less than 1%.

## सफलता का प्रमाण कितना हैं। ?

- ९९% मरीज शीघ्र ही भारी रक्तस्त्राव से छुटकारा पाते हैं
- ९४% मरीजों में ५०-६०% सिकुडन हो जाती हैं
- ९९% हमे भर में काम पर लौट जाते है फायब्रॉइड का आकार सामान्यतः ६ महिनों में लगभग ४०-७०% और सालभर में और अधिक घटता हैं

यूटेराइन एम्बोलायझेशन का एक बड़ा फायदा यह है कि यह संपूर्ण चिकित्सा है जो गर्भाशय के हर एक फायब्रॉइड का इलाज करती है इस प्रक्रिया के गंभीर समस्याओं का परिणाम १% से भी कम है।

### ■ What are Benefits of Fibroid Embolization?

- 94% success rate (per 1000 patients)
- □ Fibroids which are embolized do not recur
- Short recovery time
- Local anesthesia
- Uterus is not cut open, scarred or removed (versus hysterectomy)
- Fertility & womanhood is maintained
- Immediate reduction of symptoms
- Patients under 40 who wanted to conceive, one third conceived & delivered normally
- Most experienced a normal pregnancy

## फायब्रॉइड एम्बोलायझेशन के फायदे कौनसे हैं ?

- सफलता की दर ९४% (प्रति १००० मरीज पर)
- एम्बोलायङ्ड हुए फायब्रॉइड फिर नहीं बनते
- ठीक होने में कम समय लगना
- लोकल एनेस्थेशिया
- □ गर्भाशय को काटकर खोला, चीरा या हटायां नहीं जाता (हिस्ट्रॅक्टमी के ठीक विरुद्ध)
- जननक्षमता और स्त्रीत्व बरकरार रहती है
- लक्षणों में तरंत कमी
- गर्भधारणा चाहने वाली ४० साल से कम की रोगियों में से एक तिहाई गर्भवती हुई और डिलीवरी सामान्य रही
- ज्यादातर को सामान्य गर्भधारणा

## 24 Hr. FULLY EQUIPPED EMERGENCY MANAGEMENT SERVICES

For Vascular (Blood vessel)/Pulse related emergency, call our 'Emergency management Services at

**→** 0712-6534400

Department Vascular & Interventional Radiology



1643, North Ambazari Road, Nagpur 440 033.
Ph.: 0712 - 6624444, 2222844. Fax: 0712 - 2222266
Website: www.wockhardthospitals.net

विभाग : व्हॅस्क्युलर एवं इंटरव्हेंशनल रेडिओलॉजी

WOCKHARDT

HOSPITALS